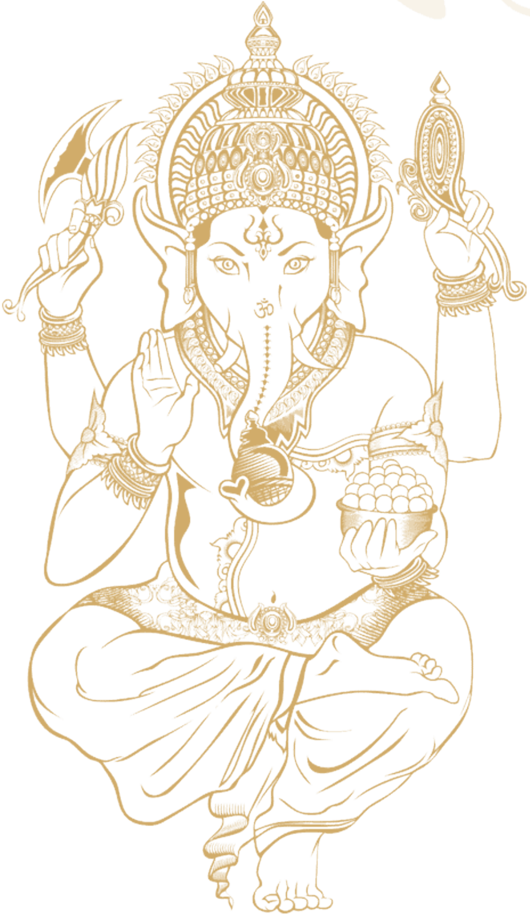

Shivi

10 Nov 2020

07:38 PM

Banaras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121464026

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **10/11/2020**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **19:38:00 घंटे**
इष्ट	: 33:34:46 घटी
स्थान	: **Banaras**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 25:20:00 उत्तर
रेखांश	: 83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 19:40:00 घंटे
वेलान्तर	: 00:16:06 घंटे
साम्पातिक काल	: 23:00:47 घंटे
सूर्योदय	: 06:12:05 घंटे
सूर्यास्त	: 17:11:47 घंटे
दिनमान	: 10:59:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 24:29:37 तुला
लग्न के अंश	: 03:07:11 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	: **पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: ऐन्द्र
करण	: विष्टि
गण	: मनुष्य
योनि	: मूषक
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	03:07:11	334:45:30	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			तुला	24:29:37	01:00:19	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			सिंह	20:12:33	14:12:21	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		मीन	21:10:10	00:02:46	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	05:31:44	00:59:40	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			धनु	28:20:37	00:09:39	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			कन्या	22:20:31	01:13:38	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि			मक	02:38:46	00:03:59	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृष	26:13:18	00:03:06	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	26:13:18	00:03:06	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	14:08:04	00:02:25	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	24:06:54	00:00:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			धनु	28:40:42	00:01:04	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	19:46:49	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:36

लग्न-चलित

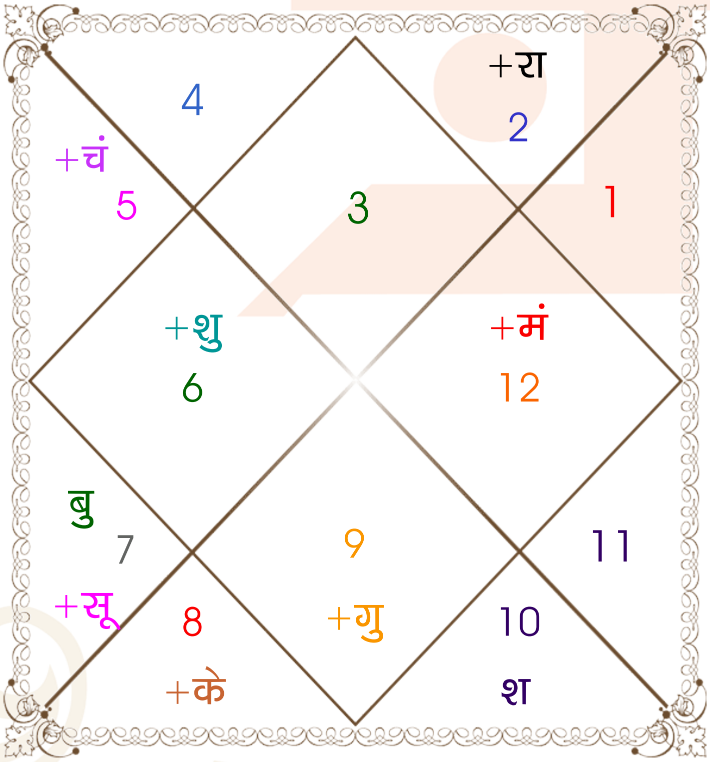

चन्द्र कुंडली

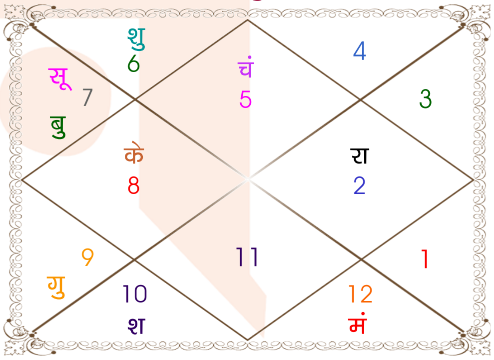

नवमांश कुंडली

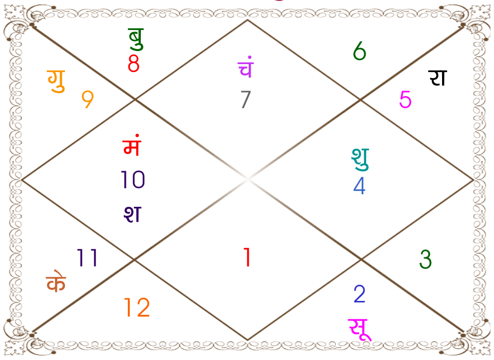

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 8 मास 7 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
10/11/2020	**19/07/2030**	**19/07/2036**	**19/07/2046**	**19/07/2053**
19/07/2030	**19/07/2036**	**19/07/2046**	**19/07/2053**	**20/07/2071**
00/00/0000	सूर्य 06/11/2030	चंद्र 19/05/2037	मंगल 15/12/2046	राहु 31/03/2056
00/00/0000	चंद्र 07/05/2031	मंगल 18/12/2037	राहु 03/01/2048	गुरु 25/08/2058
00/00/0000	मंगल 12/09/2031	राहु 19/06/2039	गुरु 09/12/2048	शनि 01/07/2061
00/00/0000	राहु 06/08/2032	गुरु 18/10/2040	शनि 18/01/2050	बुध 18/01/2064
10/11/2020	गुरु 25/05/2033	शनि 19/05/2042	बुध 15/01/2051	केतु 05/02/2065
गुरु 20/05/2023	शनि 07/05/2034	बुध 19/10/2043	केतु 13/06/2051	शुक्र 05/02/2068
शनि 19/07/2026	बुध 14/03/2035	केतु 19/05/2044	शुक्र 12/08/2052	सूर्य 30/12/2068
बुध 19/05/2029	केतु 20/07/2035	शुक्र 18/01/2046	सूर्य 18/12/2052	चंद्र 01/07/2070
केतु 19/07/2030	शुक्र 19/07/2036	सूर्य 19/07/2046	चंद्र 19/07/2053	मंगल 20/07/2071

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
20/07/2071	**20/07/2087**	**20/07/2106**	**21/07/2123**	**20/07/2130**
20/07/2087	**20/07/2106**	**21/07/2123**	**20/07/2130**	**00/00/0000**
गुरु 06/09/2073	शनि 22/07/2090	बुध 16/12/2108	केतु 17/12/2123	शुक्र 19/11/2133
शनि 19/03/2076	बुध 31/03/2093	केतु 13/12/2109	शुक्र 15/02/2125	सूर्य 19/11/2134
बुध 25/06/2078	केतु 10/05/2094	शुक्र 13/10/2112	सूर्य 23/06/2125	चंद्र 20/07/2136
केतु 01/06/2079	शुक्र 10/07/2097	सूर्य 19/08/2113	चंद्र 22/01/2126	मंगल 19/09/2137
शुक्र 30/01/2082	सूर्य 22/06/2098	चंद्र 19/01/2115	मंगल 20/06/2126	राहु 19/09/2140
सूर्य 18/11/2082	चंद्र 21/01/2100	मंगल 16/01/2116	राहु 08/07/2127	गुरु 11/11/2140
चंद्र 19/03/2084	मंगल 02/03/2101	राहु 04/08/2118	गुरु 13/06/2128	00/00/0000
मंगल 23/02/2085	राहु 07/01/2104	गुरु 09/11/2120	शनि 23/07/2129	00/00/0000
राहु 20/07/2087	गुरु 20/07/2106	शनि 21/07/2123	बुध 20/07/2130	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 7 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।